Teaching Schedule

वार्षिक शैक्षणिक समय सारणी

संस्कृत विभाग

अटल बिहारी वाजपेयी राजकीय महाविद्यालय सुन्नी

शिमला,हिमाचल प्रदेश।

Class:BAFirst Year

Course: DSE-1&2

Title:1.Sanskrit Kavya (SKT-DSC-101)

2. Sanskrit Gagya Kavya (SKT-DSC- 102)

Lecturesper Week:6 (1-Tutorial per week)

अनु.क्र.	विषय	सप्ताह	माह
1.	साहित्य ,काव्य परिचय, काव्य स्वरुप, पद्य काव्य स्वरूप	प्रथम	जुलाई
2.	महाकाव्य स्वरूप, लक्षण महाकविकालिदास परिचय रघ्वंशम महाकाव्य परिचय सार	द्वितीय	
3.	रघुवंशम महाकाव्य प्रथम अंक वर्णन, गद्यकाव्यस्वरूप, प्रथम सर्ग श्लोकोच्चारण 1-10 तक व्याख्या सहित	तृतीय	
4.	रघुवंशीराजाओं का वर्णन , उद्भव एवम् विकास यात्रा, संस्कृत अनुवाद शिक्षण	चतुर्थ	
5.	बाण भट्ट एवम कादम्बरी परिचय, शिव	प्रथम	अगस्त
6.	कक्षा परीक्षा जाँच	द्वितीय	
7.	शुक्नासोपदेश ,युवाओं को संयमित एवंअ नुशासित रहने का उपदेश,	तृतीय	
8.	लक्ष्मी स्वरूप,गद्य अनुवाद एवं व्याख्या ग्रंथ में वर्णित सामाजिक एवं राजनीतिक विचार एवं इनका तार्किक विश्लेषण एवं उपयोगिता	चतुर्थ	
9.	शिवराज विजयम नाटक का परिचय पंडित अंबिका दत्त व्यास का परिचयपाठ्यक्रम में निर्धारितप्रथम चर्चागद्य 1 से लेकर 20 तकगद्यों	प्रथम	सितम्बर
10.	व्याख्या अर्थ सरलार्थ गद्य की श्रेष्ठता कथावस्तु घटनाक्रम का समय निर्धारण ।	द्वितीय	
11.	गद्य 21 से लेकर समाप्ति पर्यंत व्याकरण सरलार्थ एवं व्याख्या ।	तृतीय	
12.	संस्कृत गद्य काव्य का सर्वेक्षण के अंतर्गत गद्य काव्य का उद्भव ।	चतुर्थ	
13.	व विकास रोमांचक कथाएं सुबंधु बाणभट्ट दंडी पंडित अंबिका दत्त व्यास परिचय ।	प्रथम	अक्तूबर
14.	कक्षा परीक्षा जाँच ।	द्वितीय	

15.	पंचतंत्र हितोपदेश बेतालपंच विंशतिका सामान्य परिचय एवं महत्व	तृतीय	
16.	शिशुपालवधम परिचय, शलोक अनुवाद व्याख्या व्याकरण	चतुर्थ	
17.	नीतिशतक परिचय एव्म उपादेयता, राजा भर्तरि हरि परिचय	प्रथम	नवम्बर
18.	पद्य 1- 12 तक सरलार्थ, प्रसंग, व्याख्या व्याकरण	द्वितीय	
19.	पद्य 13-23 तक सरलार्थ, प्रसंग, व्याख्या व्याकरण	तृतीय	
20.	पद्य 23 से अंत तक सरलार्थ, प्रसंग, व्याख्या एव्म व्याकरण ।	चतुर्थ	
21.	नीतिग्रंथो का परिचय, उदेशश्य व उपादेयता	प्रथम	दिसम्बर
22.	पाठ्यक्रम पुन: आव्रिति	द्वितीय	
23.	मध्यावधि परीक्षा	तृतीय	
24.	मध्यावधि परीक्षा	चतुर्थ	
25.	मध्यावधि परीक्षाओ पर चर्चा	द्वितीय	फरवरी
26.	शिशुपालवधम महाकाव्य में सुक्तियो पर चर्चा	तृतीय	
27.	रघुवंशम महाकाव्य में सुक्तियो पर चर्चा एवम महत्व	चतुर्थ	
28.	कवि परिचय अश्वघोश, कलिदास, जयदेव, सुबंधु, माघ।	प्रथम	मार्च
29.	पंचतंत्र हितोपदेश बेतालपंच विंशतिका	द्वितीय	
30.	पंचतंत्र हितोपदेश बेतालपंच विंशतिका की शिक्शाओ पर चर्चा	तृतीय	
31.	सम्पूर्न पाथ्यक्रम पून: चर्चा	चतुर्थ	

Class:BASecond Year

Course: DSE-1&2

Title :1. Sanskrit Natak (SKT-DSC-201)

2. Sanskrit Vyakaran (SKT-DSC-202)

LecturesperWeek:6+(1-Tutorial per Weak)

अनु.क्र.	विषय	सप्ताह	माह
1.	अभिज्ञानशाकुन्तलम् : चतुर्थ अंक–कालिदास	प्रथम	जुलाई

2.	संस्कृत नाट्यशास्त्रीय पारिभाषिक शब्दावली	द्वितीय	
3	संस्कृत नाटक का इतिहास तथा प्रमुख नाटकों का परिचय	तृतीय	
4	चतुर्थ अंक (क) परिचय, नांदी, प्रस्तावना, सूत्रधार, नटी, विष्कम्भक, विदूषक और कंचुकी आदि पारिभाषिक शब्दों की व्याख्या।	चतुर्थ	
5	चतुर्थ अंक (ख) व्याकरण, सरलार्थ, व्याख्या, काव्य–सौष्ठ्व और कथावस्तु तथा घटनाक्रम का समय निर्धारण एवं प्रकृति का मानवीकरण। काव्येषु नाटकं म्यम्, उपमा कालिदासस्य उक्तियों की समीक्षा।	प्रथम	अगस्त
6	नाटक, नायक, नायिका, पूर्वरङ्ग, सूत्रधार, नेपथ्य।	द्वितीय	
7	नाटक, नायक, नायिका, पूर्वरङ्ग, सूत्रधार, नेपथ्य।	तृतीय	
8	अङ्क, स्वगत, प्रकाश, अपवारित, जनान्तिक, आकाशभाषित, प्रवेशक एवं भरतवाक्य।	चतुर्थ	
9	**संस्कृत नाटक का इतिहास तथा प्रमुख नाटकों का परिचय**	प्रथम	सितम्बर
10	उद्भव और विकास।	द्वितीय	
11	प्रमुख नाटककार एवं नाटकः भास, कालिदास, शूद्रक, विशाखदत्त, हर्ष, भवभूति तथा उनकी रचनाएं।	तृतीय	
12	**पाठ्यक्रम पुनः आव्रिति**		
13	लघुसिद्धांतकौमुदी : संज्ञा प्रकरण	प्रथम	अक्तूबर
14	लघुसिद्धांतकौमुदीः संधि प्रकरण	द्वितीय	
15	लघुसिद्धांतकौमुदी : विभक्ति प्रकरण	तृतीय	
16	**कक्षा परीक्षा जाँच**	चतुर्थ	
17	अच् संधि– यण्, गुण, दीर्घ, अयादि, वृद्धि और पूर्वरूप संधि।	प्रथम	नवम्बर
18	**पाठ्यक्रम पुनः आव्रिति**	द्वितीय	
19	हल् संधि– श्चुत्व, ष्टुत्व, अनुनासिकत्व, छत्व और जश्त्व।	तृतीय	
20	निम्न छन्दों के लक्षण, उदाहरण, विश्लेषण और गीतात्मक सिद्धान्तः भुजंगप्रयात, हरिगीतक, विद्युन्माला, अनुष्टुप आर्या, मालिनी, शिखरिणी,	चतुर्थ	

	वसततिलका, मन्दाक्रान्ता, स्रग्धरा, पचचामर।		
21	विसर्ग संधि– उत्व, सत्व, रूत्व, लोप।	प्रथम	दिसंबर
22	पाठ्यक्रम पुनः आव्रिति कृत् प्रत्यय : तव्यत्, अनीयर्, यत्, ण्यत्, ण्वुल्, तृच्, अण्, क्त, क्तवतु, शतृ शानच्, तुमुन्, क्त्वा, ल्यप् तथा ल्युट्।	द्वितीय	
23	मध्यावधि परीक्षा	तृतीय	
24	मध्यावधि परीक्षा	चतुर्थ	
25	विभक्त्यर्थ प्रकरण	द्वितीय	फरवरी
26ण	मध्यावधि परीक्षाओ पर चर्चा	तृतीय	
27	नाटक, नायक, नायिका, पूर्वरङ्ग, सूत्रधार, नेपथ्य।	चतुर्थ	
28	भास, कालिदास, विशाखदत्त, हर्ष, भवभूति तथा उनकी रचनाएं।	प्रथम	मार्च
29	सम्पुर्न पाथ्यक्रम पुनः चर्चा	द्वितीय	
30	पाठ्यक्रम पुनः आव्रिति	तृतीय	
31	पाठ्यक्रम पुनः आव्रिति	चतुर्थ	

Class:BASecond Year

Course: SEC-1&2

Title: 1. Ayurved ke Mool Sidhant (SKT-SEC-A203)

2. Chand Evm Gayan (SKT-SEC- A204)

LecturesperWeek:6+(1-Tutorial per Weak)

अनु.क्र.	विषय	सप्ताह	माह
1.	आयुर्वेद का परिचय, औषधि विज्ञान का चरक पूर्वकालीन इतिहास, आयुर्वेद की दो शाखाएंः धन्वन्तरि और पुनर्वसु।	प्रथम	जुलाई
2.	पूर्वकालीन इतिहास, आयुर्वेद की दो शाखाएंः धन्वन्तरि और पुनर्वसु।	द्वितीय	
3.	आयुर्वेद के प्रमुख आचार्यः चरक, सुश्रुत, वाग्भट्ट माधव, शारङ्गधर और भावमिश्र।	तृतीय	
4.	षड्तुओं में काल विभाग तथा शरीर एवं प्रकृति की अवस्था।	चतुर्थ	
5.	कक्षा परीक्षा जाँच	प्रथम	अगस्त
6.	हेमन्त, शिशिर और शरद ऋतुओं में रहन–सहन और आहार सम्बन्धी नियम।	द्वितीय	
7.	वसन्त, ग्रीष्म, वर्षा आहार सम्बन्धी नियम।	तृतीय	
8.	पाठ्यक्रम पुनः आव्रिति	चतुर्थ	
9	छन्द : शास्त्र का सामान्य परिचय	प्रथम	सितम्बर
10	**छन्दों के प्रकार और तत्त्व**	द्वितीय	
11	अक्षरवृत्त वर्णवृत्त मात्रावृत्त लघु और गुरु	तृतीय	
12	कक्षा परीक्षा जाँच	चतुर्थ	
13	गणविचार	प्रथम	अक्तूबर
14	निम्न छन्दों के लक्षण, उदाहरण, विश्लेषण और गीतात्मक सिद्धान्तः गायत्री, उष्णिक्, अनुष्टुप्,	द्वितीय	
15	कक्षा परीक्षा जाँच ।	तृतीय	

16	पाठ्यक्रम पुनः आव्रिति	चतुर्थ	
17	निम्न छन्दों के लक्षण, उदाहरण, विश्लेषण और गीतात्मक सिद्धान्तः अनुष्टुप्, बृहती, पंक्ति, ।	प्रथम	नवम्बर
18	निम्न छन्दों के लक्षण, उदाहरण, विश्लेषण और गीतात्मक त्रिष्टुप् और जगती।	द्वितीय	
19	निम्न छन्दों के लक्षण, उदाहरण, विश्लेषण और गीतात्मक सिद्धान्तः गायत्री, उष्णिक्, अनुष्टुप्, बृहती, पंक्ति, त्रिष्टुप् और जगती।	तृतीय	
20	निम्न छन्दों के लक्षण, उदाहरण, विश्लेषण और गीतात्मक सिद्धान्तः भुजंगप्रयात, हरिगीतक,	चतुर्थ	
21	निम्न छन्दों के लक्षण, उदाहरण, विश्लेषण और गीतात्मक सिद्धान्तः विद्युन्माला, अनुष्टुप	प्रथम	दिसम्बर
22	मध्यावधि परीक्षा	द्वितीय	
23	मध्यावधि परीक्षा	तृतीय	
24	मध्यावधि परीक्षाओ पर चर्चा	चतुर्थ	
25		द्वितीय	फरवरी
26	निम्न छन्दों के लक्षण, उदाहरण, विश्लेषण और गीतात्मक सिद्धान्त , शिखरिणी, वसंततिलका,	तृतीय	
27	मन्दाक्रान्ता, स्रग्धरा, पंचचामर।	चतुर्थ	
28	निम्न छन्दों के लक्षण, उदाहरण, विश्लेषण और गीतात्मक सिद्धान्तः मन्दाक्रान्ता, स्रग्धरा, पंचचामर।	प्रथम	मार्च
29	विद्युन्माला, अनुष्टुप , शिखरिणी, वसंततिलका, पुनः आव्रिति	द्वितीय	
30	पाठ्यक्रम पुनः आव्रिति	तृतीय	
31	पाठ्यक्रम पुनः आव्रिति	चतुर्थ	

Class:BAThirdYear

Course: SEC-1&2

Title: 1. Bhartiya Rang Shala SKT-SEC-A305)

2. Bhartiya Vastushastra (SKT -SEC- A 306)

LecturesperWeek:6+(1-Tutorial per Weak)

अनु.क्र.	विषय	सप्ताह	माह
1.	भारतीय रंगशाला का इतिहास एवं परम्परा	प्रथम	जुलाई
2.	विभिन्न कालखण्डों में रंगमंच का उद्भव और विकास : प्रागैतिहासिक तथा वैदिक काल	द्वितीय	
3.	महाकाव्य एवं पौराणिक काल : राजदरबार रंगमंच, देवालय	तृतीय	
4.	रंगमंच, मुक्त रंगमंच (खुला) आधुनिक रंगमंच, लोक रंगमंच, राष्ट्रीय एवं राज्यस्तरीय रंगमंच।	चतुर्थ	
5.	लोक रंगमंच, राष्ट्रीय एवं राज्यस्तरीय रंगमंच।	प्रथम	अगस्त
6.	रंगशालाः निर्माण एवं प्रकार	द्वितीय	
7.	कक्षा परीक्षा जाँच	तृतीय	
8.	अभिनयः आंगिक, वाचिक	चतुर्थ	
9.	सात्त्विक और आहार्य।	प्रथम	सितम्बर
10.	वस्तु	द्वितीय	
11.	श्रस	तृतीय	
12.	न्ता	चतुर्थ	
13.	अभिनयः आंगिक, वाचिक सात्त्विक और आहाय पाठ्यक्रम पुनः आव्रिति	प्रथम	अक्तूबर
14.	वास्तु सौख्यम परिचय	द्वितीय	
15.	वस्तु	तृतीय	
16.	कक्षा परीक्षा जाँच	चतुर्थ	
17.	भारतीय वास्तु शास्त्र परिचय	प्रथम	नवंबर
18.	वास्तु पुरुष स्वरूप , एवम् स्थापना	द्वितीय	
19.	भू परीक्षा , दिक् साधन , चतुः वर्णों के लिये उपयुक्त भूमि निर्धारण	तृतीय	

20.	बास्तु परिचय, भुमि परिशोधन , शल्य शोधन	चतुर्थ	
21.	वास्तु सौख्यम परिचय	प्रथम	दिसम्बर
22.	पर्यावरन बोध		
	पंचशाल भवन , आलिंद प्रमाण		
23.	मध्यावधि परीक्षा	तृतीय	
24.	मध्यावधि परीक्षा	चतुर्थ	
25.	मध्यावधि परीक्षाओ पर चर्चा व दोहराई	द्वितीय	फरवरी
26.	पाठ्यक्रम पुन:	तृतीय	
27.	टोडरमल का परिचय एवम साहितयिक योगदान	चतुर्थ	
28.	वास्तु पुजन, सम्तलीकरन नींव, भवन परिमाप	प्रथम	मार्च
29.	राजा, राजकुमार, अमात्य, महारनी सेनापति भवन परिमाप	द्वितीय	
30.	चत् : शाल भवन , कक्षा परीक्षा जाँच	तृतीय	
31.	पाठ्यक्रम पुन:	चतुर्थ	

Class:BAThirdYear

Course: DSE-1&2

Title: 1. Sahitayik Samalochana (SKT-DSE-A301)

2. Vyaktitav Vikas Ka Bhartiya Drishtikon (SKT-DSE-302)

LecturesperWeek:6+(1-Tutorial per Weak)

अन्.क्र.	विषय	Week	माह
1.	व्यक्तित्व विकास का भारतीय दृष्टिकोण ऋग्वेद–1.164. 37 छान्दोग्योपनिषद्–6.2.3, 6.8.6,	प्रथम	जुलाई
2.	8.1.4 बृहदारण्यकोपनिषद्, 2.5.18–19	द्वितीय	
3.	व्यक्ति की अवधारणा– गीता, अध्याय 7: पद्य 1–30, जीव की अष्टधा प्रकृति।	तृतीय	
4.	क्षेत्र और क्षेत्रज्ञः अध्याय–13, श्लोक 1–2, 5–6, 19–23.	चतुर्थ	
5.	क्षर और अक्षर : अध्याय 15, श्लोक 7–11, 16–19.	प्रथम	अगस्त
6.	पाठ्यक्रम पुन:	द्वितीय	
7.	कक्षा परीक्षा जाँच	तृतीय	

8.	व्यक्तित्व के प्रकार : गीता : अध्याय –14 श्लोक 5–14, अध्याय 17 श्लोक 2–6, 11–21.	चतुर्थ	
9.	अध्याय 17 श्लोक 2–6, 11–21.	प्रथम	सितम्बर
10.	व्यवहार सुधार के प्रकार : मन और इन्द्रियों का नियन्त्रण	द्वितीय	
11.	गीता : अध्याय 2 : 59–60, 64–68 अध्याय 3 श्लोक 41–43	तृतीय	
12.	गीता : अध्याय 6 श्लोक 19–23 सम्यक् आस्था : गीता अध्याय 9, श्लोक 3, 22–28, 30–34 स्वधर्म की पहचान – अन्तरात्मा की आवाज : गीता अध्याय 2–श्लोक 31, 41–44; अध्याय 3 श्लोक 4,5,8,9, 27–30,33–34 अध्याय 4 श्लोक 18–22	चतुर्थ	
13.	**कक्षा परीक्षा जाँच**	प्रथम	अक्तूबर
14.	गीता : अध्याय 6 श्लोक 19–23 सम्यक् आस्था : गीता अध्याय 9, श्लोक 3, 22–28, 30–34 स्वधर्म की पहचान – अन्तरात्मा की आवाज : गीता अध्याय 2–श्लोक 31, 41–44; अध्याय 3 श्लोक 4,5,8,9, 27–30,33–34 अध्याय 4 श्लोक 18–22	द्वितीय	
15.	गीता अध्याय 9, श्लोक 3, 22–28, 30–34 स्वधर्म की पहचान – अन्तरात्मा की आवाज :	तृतीय	
16.	**कक्षा परीक्षा जाँच**	चतुर्थ	
17.	गीता अध्याय 2–श्लोक 31, 41–44; अध्याय 3 श्लोक 4,5,8,9, 27–30,33–34 अध्याय 4 श्लोक 18–22	प्रथम	नवम्बर
	साहित्यिक समालोचना काव्य प्रकाश : काव्य वैशिष्ट्य, काव्य प्रयोजन, काव्य हेतु, स्वरूप	द्वितीय	
18.	साहित्यिक समालोचना काव्य प्रकाश : काव्य हेतु, स्वरूप		
19.	काव्य प्रकाश : काव्य भेद	तृतीय	
20.	**पाठ्यक्रम पुन:**	चतुर्थ	
21.	**पाठ्यक्रम पुन:**	प्रथम	दिसम्बर
22.	**कक्षा परीक्षा जाँच**	द्वितीय	
23.	**मध्यावधि परीक्षा**	तृतीय	

24.	मध्यावधि परीक्षा व जाँच	चतुर्थ	
25.	गीता अध्याय 4 श्लोक 18–22	द्वितीय	फ़रवरी
26.	काव्य प्रकाश : शब्दशक्तियाँ (अभिधा, लक्षणा, व्यञ्जना)	तृतीय	
27.	काव्य प्रकाश : शब्दशक्तियाँ व्यञ्जना	चतुर्थ	
28.	काव्य प्रकाश : काव्य वैशिष्ट्य एवं काव्य प्रयोजन, काव्य हेतु, स्वरूप	प्रथम	मार्च
29.	काव्य प्रकाश : काव्यभेद	द्वितीय	
30.	पाठ्यक्रम पुन:	तृतीय	
31.	पाठ्यक्रम पुन:	चतुर्थ	

Class:BA 1st Year

Course: Compulsory -1&2

Title: 1. Niti Sahitya (SKT-DSC-103)
2. Upanishad Geeta Tatha Paniniya Shiksha (SKT-AECC-104)

LecturesperWeek:3+3 (1-Tutorial per Weak)

S.No.	Topic	सप्ताह	माह
1.	पंचतन्त्रम् का सामान्य परिचय निम्नलिखित कथाओं का सामान्य परिचय : (क्षपणक कथा,)	प्रथम	जुलाई
2.	निम्नलिखित कथाओं का सामान्य परिचय : सिंह–कारक–मूर्खब्राह्मण कथा)	द्वितीय	
3.	(मूर्खपण्डित–कथा, वानर–मकर–कथा तथा गंगदत्तमण्डूक कथा)	तृतीय	
4.	(मूर्खपण्डित–कथा, वानर–मकर–कथा	चतुर्थ	
5.	तथा गंगदत्तमण्डूक कथा)	प्रथम	अगस्त
6.	कक्षा परीक्षा जाँच	द्वितीय	
7.	नीतिशतकम् का परिचय, पद्य 1–10–सरलार्थ	तृतीय	
8.	सरलार्थ, व्याख्या एवं आलोचनात्मक	चतुर्थ	
9.	संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय	प्रथम	सितम्बर
10.	महाकाव्य (कालिदास तथा भारवि) गद्यकाव्य (बाण भट्ट तथा दण्डी)	द्वितीय	
11.	नाटक (भास एवं कालिदास	तृतीय	

	भवभूति)		
12.	नीतिशतकम् , पद्य 11–30 सरलार्थ	चतुर्थ	
13.	कक्षा परीक्षा जाँच	प्रथम	अक्तूबर
14.	इशावास्योपनिषद् का परिचय इशावास्योपनिषद् के मन्त्रों का सरलार्थ	द्वितीय	
15.	ईशावास्योपनिषद् के मन्त्रों का सरलार्थ	तृतीय	
16	गीता का सामान्य परिचय, अध्याय–2–पद्य 1–10, सरलार्थ एवं व्याख्या	चतुर्थ	
17	गीता अध्याय–2, पद्य 11 –25 सरलार्थ एवं व्याख्या	प्रथम	नवंबर
	औपनिषदिक दर्शन का सामान्य परिचय : आत्मा, ब्रह्म, ईश्वर, कर्म और सृष्टि।		
18.	कक्षा परीक्षा जाँच औपनिषदिक दर्शन का सामान्य परिचय : ईश्वर, कर्म और सृष्टि।	द्वितीय	
19.	गीता अध्याय–2 पद्य 26 35 सरलार्थ एवं व्याख्या	तृतीय	
20.	पाठ्यक्रम पुन: दृष्टिवीक्षण / आवृति	चतुर्थ	
21.	पाठ्यक्रम पुन: दृष्टिवीक्षण / आवृति	प्रथम	दिसम्बर
22.	कक्षा परीक्षा जाँच	द्वितीय	
23.	मध्यावधि परीक्षा व जाँच	तृतीय	
24.	मध्यावधि परीक्षा व जाँच	चतुर्थ	
25.	गीता अध्याय–2, पद्य 36–50 , सरलार्थ एवं व्याख्या	द्वितीय	फरवरी
26.	गीता अध्याय–2, पद्य 51 –65 सरलार्थ एवं व्याख्या	तृतीय	
27.	गीता अध्याय–2, पद्य 66–72, सरलार्थ एवं व्याख्या	चतुर्थ	
28.	पानिनीय शिक्षा सामान्य परिचय एवम् परिभाषा	प्रथम	मार्च
29.	पानिनीय शिक्षा पद्य 1- 7 अनुवाद एवम् व्याख्या	द्वितीय	
30.	पानिनीय शिक्षा पद्य 8-14 अनुवाद एवम् व्याख्या	तृतीय	
31.	पाठ्यक्रम पुन: दृष्टिवीक्षण / आवृति	चतुर्थ	